ऊषा आँटी की चुदाई

raju rai <bkr2005@gmail.com>

मेरा नाम साहिल है। आज मैं आपको एक ऐसी बात बताने जा रहा हूँ जो मेरे साथ हुआ था। पहले मैं आपको अपने बारे में बता दूँ। मैं २५ साल का हूँ। दिखने में ठीक ठाक हूँ। मेरी एक गर्ल फ्रेंड हुआ करती थी... उसका नाम पूजा था। वो बहुत खूबसूरत थी। अब असली बात पर आता हूँ। जहाँ हम लोग रहते थे, वहाँ से थोड़ी ही दूरी पर मेरी गर्ल फ्रेंड पूजा का घर था। उसकी मम्मी को मैं आँटी कह कर बुलाता था। वास्तव में वो लोग पंजाबी थे, और आप लोग तो जानते ही हैं कि पंजाबी औरतें कितनी हॉट और सैक्सी लगती हैं। पूजा से ज्यादा अच्छी उसकी मम्मी लगती थी। उनका नाम ऊषा था। आँटी की उम्र लगभग ४० के आस पास थी। लेकिन देखने में चालिस की बिल्कुल भी नहीं लगती थीं। गोरी लंबी और बहुत खूबसूरत थी। हमलोगों को ये पता था कि उनके पति उन्हें संतुष्ट नहीं कर पाते हैं, इसलिए उनका कई लोगों के साथ संबंध रहा था। वोह अपने सैक्सी चाल–चलन और अवैध संबंधों के लिए काफी मशहूर थीं।

Hindi Fonts By:
SINSEX

आज से ६ साल पहले की बात है जब मैं उन्नीस वर्ष का था। नवंबर का महीना था और दीवाली से कुछ दिनों पहले एक दिन मैंने और मेरे एक दोस्त ने ड्रिंक करने का प्रोग्राम दिन में ही बनाया। पहले हम लोगों ने ड्रिंक की और उसके बाद हमलोगों ने ब्लू फ़िल्म देखने का प्रोग्राम बनाया। थोड़ी देर बाद हम लोग ब्लू फ़िल्म देखने लगे और फ़िल्म देखने के बाद हम लोग बहुत उत्तेजित हो गये थे। तब पता नहीं अचानक मेरे दिमाग में कहाँ से आया कि क्यों ना ऊषा आँटी को बुलाया जाये और उनके साथ चुदाई की जाये। मैंने वहीं से उन्हें फोन किया और कहा कि, *आँटी मैं साहिल बोल रहा हूँ और आप से कुछ बात करना चाहता हूँ,* तो उन्होंने कहा, *बोलो?* मैंने कहा, *आँटी ये बात फोन पर नहीं हो सकती... आप यहाँ मेरे दोस्त के घर पर आ जाइए,* तो उन्होंने कहा, *अभी थोड़ी देर में आती हूँ।*

उसके बाद हम लोग फिर से फ़िल्म देखने लग गये और घर का दरवाजा खुला छोड़ दिया। उस समय दरवाजे पर बेल बजी तो मेरा दोस्त दूसरे रूम में थोड़ी देर के लिए चला गया। मैंने कहा, *आँटी दरवाजा खुला है... आप अंदर आ जाइए।* वो अंदर आ गयी और अंदर मैं बैठा ब्लू फ़िल्म देख रहा था। आँटी फिरोज़ी रंग की सलवार कमीज और काले हाई हील के सैंडल में बहुत सैक्सी लग रही थीं। उन्होंने हल्का सा मेक–

अप भी किया हुआ था। वो आते ही बोली, *ये सब क्या देख रहे हो, पहले इसे बंद करो... उसके बाद बात करेंगे।* उनके कहने पर मैंने सी.डी बंद कर दिया और वो मेरे पास आकर बैठ गयी और बोली, *क्या बात करनी है... बोलो।* इतनी देर में मेरा दोस्त भी वहाँ आ गया। मैंने कहा. *ऊषा आँटी आप बहुत खूबसूरत लगती हो और मैं आप के साथ चुदाई करना चाहता हूँ।* मेरे बात सुनकर वो चौंक गयी और बोली, *मेरे लिए तुम अभी बहुत छोटे हो।* वास्तव में वो मेरे दोस्त के सामने कोई बात नहीं करना चाह रही थी। जब उन्होंने कहा कि मेरे लिए तुम अभी छोटे हो तो ये सुनकर मैंने कहा, *ऊषा आँटी मैं तो आपके लिए शायद छोटा हूँ लेकिन मेरा लंड आपके लिये छोटा नहीं है।* यह सुनकर वो वहाँ से चली गयी। मैंने रोकने की कोशिश भी नहीं की।

जब वो चली गयीं तो हम लोगों का मूड खराब हो गया और उसके बाद हम लोग फिर से ड्रिंक करने लगे। थोड़ी देर बाद मेरा दोस्त बाथरूम चला गया और उस समय ऊषा आँटी ने मुझे फोन किया और कहा, *तुम अभी कहाँ हो? मुझे तुमसे कुछ बात करनी है... क्या तुम अभी मेरे घर आ सकते हो, लेकिन किसी को बता कर मत आना।*

मैंने कहा, *ठीक है मैं थोड़ी देर में आपके पास आता हूँ।* थोड़ी देर बाद मेरा दोस्त भी बाथरूम से आ गया। हम लोगों का ड्रिंक भी खतम हो चुका था और उसको नशा भी चढ़ चुका था। तभी मैंने कहा कि यार इसमें मज़ा नहीं आया... मैं अभी एक बोतल और लेकर आता हूँ, तो उसने कहा, नहीं यार। बहुत हो गयी है। लेकिन मुझे तो ऊषा आँटी के घर जाना था, इसलिए मैंने उसके मना करने के बाद भी कहा, *नहीं यार मुझे मज़ा नहीं आया... मैं एक बोतल और लेने जा रहा हूँ।* और मैं वहाँ से चला गया और उसने घर का दरवाजा बंद कर लिया।

उस समय करीब तीन बज रहे थे। मैं ऊषा आँटी के घर गया। वो घर पर अकेली थीं। उनकी बेटी (यानी मेरी गर्ल फ्रेंड) उस समय कॉलेज गयी थी और वो ४:३० बजे कॉलेज से आती थी। ऊषा आँटी ने अभी भी वही कपड़े पहने हुए थे। मैंने उनसे पूछा, *घर में कोई है नहीं क्या?* तो वोह बोली, *नहीं इसलिए तो तुम्हें बुलाया है।* ये सुनकर मैं थोड़ा हैरान हो गया। तब उन्होंने कहा कि *अगर तुम मुझे चोदना ही चाहते थे तो ये बात तुम्हें अकेले में कहनी चाहिए थी... तुमने तो अपने दोस्त के सामने ही कह दिया।* ये कहते हुए वोह मेरे गाल पर हाथ रख कर सहलाने लगी। मुझे बड़ा अजीब लग रहा था। मैं थोड़ा नशे में भी था, इसलिए कुछ अलग ही लग रहा था। उसके बाद उन्होंने कहा, *मैं तुम्हें अच्छी लगती हूँ क्या?* तो मैंने कहा, *हाँ आँटी... आप बहुत खूबसूरत*

और सैक्सी हो।

तब उन्होंने कहा, *लेकिन तुम तो मेरे बेटी को पसंद करते हो।* तब मैंने कहा, *आँटी आपको कैसे पता?* तब उन्होंने कहा, *बेटा मुझे सब कुछ पता है।* उसके बाद मुझसे पूछा कि *कोल्ड ड्रिंक पीयोगे?* मैंने कहा, *हाँ! प्यास तो लग रही है।* ऊषा आँटी अंदर चली गयी और लगभग १० मिनट बाद बाहर आयी। मैं उनको देख कर हैरान रह गया। मेरा सारा नशा जैसे गायब हो गया हो। वो एक सफ़ेद रंग की पतली सी ड्रेस पहने हुए थी और अंदर कुछ भी नहीं पहन रखा था, जिससे उनकी चूंची और चूत साफ़-साफ़ दिख रहे थे। मैं उनको बहुत ध्यान से देखने लगा तो वो बोली, *क्या देख रहे हो... कभी किसी को इस तरह नहीं देखा है क्या?*

मैंने कहा, *नहीं ऊषा आँटी, आप बहुत अच्छी लग रही हो... दिल कर रहा है कि मैं आपको अपनी बाँहों में लेकर खूब चुदाई करूँ।* तो उन्होंने कहा, *करो ना! किसने रोका है।* तब मैंने कहा, *लेकिन आपने तो मना कर दिया था।* वोह बोली कि *क्या तुम्हारे दोस्त के सामने चुदवाती तुमसे।* और ये कहते हुए वो मेरे पास आ गयी और मेरे गले में अपनी बाँहें डाल दीं। मैं उनके चेहरे को हाथ में लेकर उनके होठों को किस करने लगा। पहले तो धीरे-धीरे किस कर रहा था, लेकिन जब मैंने देखा कि ऊषा आँटी भी किस करने में मेरा साथ दे रही हैं तो मैं और जोर से उनके होठों पर किस करने लगा। उसके बाद उन्होंने कहा कि *अपना लंड दिखाओ... जरा मैं भी तो देखूँ कि मेरी बेटी की पसंद कैसी है।* तब मैंने उनसे कहा कि *मैंने पूजा के साथ आज तक कुछ नहीं किया* तो वोह बोली कि *क्यों नहीं किया?* यह कहते हुए उन्होंने मेरे लंड को मेरी जींस से बाहर निकाल कर अपने हाथ में ले लिया और बोली, *हाय ये तो वास्तव में बड़ा है।*

फिर वो मेरे लंड को धीरे-धीरे अपने हाथों से सहलाने लगी। फिर मैं धीरे से अपना हाथ उनके बूब्स पर ले गया और उन्हें दबाने लगा तो वो बोली, *जरा जोर से दबाओ... मैंने बहुत दिनों से चुदाई नहीं करवायी है।* मैं उनकी चूंची को जोर से दबाने लगा और वो *ऊँऊँऊँऊँहहहहह* की आवाज़ निकालने लगी। ये देखकर मुझे अच्छा लग रहा था। फिर मैंने उनकी सफेद ड्रेस को उतार दिया और उनके बूब्स के निप्पल को अपने होठों के बीच में रख कर उन्हें चूसने लगा। वो *आआआआहहहहह* करने लगी। एक हाथ से मैं उनकी दूसरी चूंची को दबा रहा था और दूसरा हाथ उनकी जाँघों पर था और मैं

उनकी जाँघों को सहला रहा था। उसके बाद उन्होंने मेरे कपड़े उतारना शुरू कर दिया और धीरे–धीरे मेरे सारे कपड़े उतार दिए और मेरे लंड को अपने हाथों में लेकर सहलने लगी। मेरा लंड एकदम टाईट हो चुका था। आँटी बोली कि *बहुत दिनों के बाद आज चुदाई का मज़ा आयेगा।* मैंने कहा, *हाँ आँटी, लेकिन आज तक मैंने कभी किसी के साथ चुदाई नहीं की है,* तो वो बोली, *चिंता मत करो... मैं सिखा दूंगी।*

मैंने कहा, ठीक है, और ये कहते हुए उन्होंने मेरा लंड अपने मुँह में ले लिया और अपने मुँह के अंदर बाहर करने लगी। मुझे बड़ा मज़ा आ रहा था। मैं आँटी के सर को पकड़ कर अपने लंड पर जोर से दबाने लगा। ये देखकर आँटी बोली, *तुम झूठ बोल रहे हो कि तुमने किसी के साथ चुदाई नहीं की है,* तो मैंने कहा, *नहीं आँटी! मैं सच कह रहा हूँ। ये सब तो मैंने ब्लू फ़िल्मों में देखा था।*

वोह बोली, *और क्या देखा था... बताओ।* मैंने कहा कि *मैं बताऊँगा नहीं... करके दिखाऊँगा।* वो बोली *ठीक है* और वो और जोर से मेरे लंड को अंदर बाहर करने लगी। करीब १० मिनट तक वो लगातार मेरे लंड को अपने मुँह में लिए रही। चूँकि मेरा पहली बार था, इसलिए मैं उनके मुँह में ही हल्का हो गया। आँटी बोली, *कोई बात नहीं... पहली बार में ऐसा होता है,* और वोह अपनी जीभ से मेरे लंड को साफ़ चाटने लगी और मेरा लंड धीरे–धीरे फिर से खड़ा होने लगा। इस सब में समय का पता ही नहीं चला और देखते–देखते पूजा के आने का समय हो गया। लेकिन वो अभी तक आयी नहीं थी और हम दोनों अपने आप में मस्त थे। दुनिया की कोई चिंता नहीं थी।

अब मैं ऊषा आँटी की चूत को सहला रहा था और दूसरे हाथ से उनकी चूंची को दबा रहा था। उसके बाद आँटी ने कहा मेरी चूत को चुसो और मैं उनकी चूत को जोर–जोर से चूसने लगा। उनकी चूत गीली हो चुकी थी और उसमें से कुछ पानी जैसा निकल रहा था। मैं उसे चूसने लगा और वो जोर–जोर से *आआआआआहहहहह* कर रही थी और फिर बोली, *अब मुझे चोदो... अब मुझसे नहीं रहा जा रहा है।* मैंने भी बिना समय बर्बाद किए अपना लंड उनकी चूत पर रखा और एक हल्का सा झटका दिया तो मेरा आधे से ज्यादा लंड उनकी चूत में बहुत आसानी से चला गया।

फिर मैंने एक जोर का झटका मारा तो मेरा पूरा लंड उनकी चूत में घुस गया और वो हल्की आवाज़ में चिल्लाने लगी, *आआआआहहहहहहआआआआआ और करो.... बहुत*

मज़ा आ रहा है मेरे राजा... मुझे ऐसे ही चोदते रहो.... ऊऊऊऊ ओहहहह आआआआहहहह। मैं जोर जोर से झटके लेने लगा और करीब सात मिनट तक मैं लगातार झटके लेता रहा। उसके बाद उन्होंने कहा कि *अब मैं तुम्हारे ऊपर आती हूँ।* मैंने कहा *ठीक है,* और मैं लेट गया। वो मेरे ऊपर आ गयी और एक हाथ से मेरे लंड को पकड़ कर अपनी चूत से मिलाया और मेरे लंड पर अपनी चूत को दबाती चली गयी। मेरा पूरा लंड उनकी चूत में घुस चुका था। अब वो जोर–जोर सी झटके मारने लगी और मैं गाँड को पकड़ कर आगे पीछे कर रहा था। फिर मैंने अपना हाथ उनकी चूंची पर रखा और उसे दबाने लगा।

वो और जोर–जोर से आवाज़ निकालने लगी, *ऊँऊँऊँऊँहहहह आआआआआहहहह ओहहह आँआँआँ* और बोलने लगी, *आज बहुत दिनों बाद ऐसा लंड मिला है।* हम लोग अपने आप में इस तरह खोये हुए थे कि कब पूजा आ गयी पता ही नहीं चला। जब पूजा आयी थी तो ऊषा आँटी मेरे ऊपर थी और जोर–जोर से झटके मारते हुए कह रहे थी कि *आज बहुत मज़ा आ रहा है... तुम मुझे रोज आकर चोदा करो।*

पूजा ये सब अपनी आँखों से देख रही थी और फिर पूजा चुपचाप अंदर चली गयी। अपने मम्मी को किसी गैर–मर्द से चुदते देखना पूजा के लिए कोई नयी बात नहीं थी क्योंकि ऊशा आँटी तो हमेशा किसी नये लंड की तलाश में ही रहती थी। करीब १५ मिनट के बाद ऊषा आँटी मेरे ऊपर से हटी और बोली, *आज बहुत मज़ा आया।* तब मैंने कहा, *आपको तो मज़ा आ गया लेकिन अभी मुझे मज़ा नहीं आया,* और ये कहते हुए मैं उनके ऊपर चढ़ गया और उनकी चूत में अपना लंड डाल दिया। वो कहने लगी, *बस करो... अब और नहीं... मैं मर जाऊँगी।* तब मैंने अपने होंठ उनके होंठों पर रख दिए और जोर से उनके होंठों को चूसने लगा। अब वो आवाज़ नहीं कर पा रही थी और मैं जोर–जोर से झटके लेने लगा। तभी मैंने देखा कि पूजा कमरे के दरवाजे के पीछे से सब कुछ देख रही है और अपने चूंची को अपने हाथों से दबा रहे है। ये देख कर मैं और जोश में आ गया और ऊषा आँटी को जोर–जोर से चोदने लगा।

करीब १५ मिनट के बाद मैं भी हल्का हो गया और हल्का होकर ऊषा आँटी की बगल में ही लेट गया। वो अपने होठों से मेरे होठों को छुआते हुए बोली, *आज बहुत मज़ा आया... तुम्हारा दिल जब भी चोदने को करे तो तुम मेरे पास आ जाया करो।* मैंने कहा, *ठीक है।* फिर मैंने आँटी से कहा कि *आज तक मैंने किसी लड़की को नहीं चोदा है।*

क्या लड़की को चोदने में और ज्यादा मज़ा आता है? तो वो बोली कि *तुम चिंता मत करो... तुम्हारा इशारा मैं समझ रही हूँ... तुम दीवाली की रात में करीब १२ बजे के आस पास घर आना। उस समय तुम्हारे अंकल भी घर पर नहीं रहेंगे और मैं तुम और पूजा तीनों एक साथ चुदाई करेंगे।* ये सुनकर मैं चौंक गया और उनसे कहा कि *क्या आप को खराब नहीं लगेगा जब मैं आपके सामने ही पूजा को चोदूँगा,* तो वो बोली *खराब क्यों लगेगा, आखिर मैं भी तो देखूँ कि मेरी बेटी की चूत कैसी है और जब उसकी चूत में तुम्हारा लंड जाता है तो उसे कैसा लगता है।* तब मैंने कहा, *ठीक है... मैं १२ बजे आ जाऊँगा।*

दीवाली की रात को मैं जल्दी से १२ बजने का इंतज़ार करने लगा। मन में उत्तेजना थी कि आज पूजा को भी चोदूँगा। पूजा की चूत कैसी होगी, यही सोच कर उत्तेजित हो रहा था मैं। बड़ी मुश्किल से रात के १२ बजे। मैं किसी तरह से चुपचाप पूजा के घर गया। मैं घर के पीछे वाले दरवाज़े से गया था जिससे कोई देख ना सके। जब मैं घर में गया तो देखा कि ड्राइंग रूम में आँटी मैरून रंग का बहुत ही सैक्सी गाऊन और मैरून रंग के ही हाई हील के सैंडल पहन कर बैठी थी और एक हाथ में शराब का ग्लास पकड़े किसी से फोन पर बातें कर रहे थी। मुझे देख कर बोली, *आ गये तुम।* मैंने कहा, *हाँ, बहुत मुश्किल से तो रात के १२ बजे हैं... मैं बहुत बेचैनी से रात के १२ बजने का इंतज़ार कर रहा था।*

मैंने पूछा, *आँटी! पूजा कहाँ है,* तो आँटी बोली *इतने बेचैन क्यों हो रहे हो, आज की रात तुम्हें जो कुछ भी करना है, सब कुछ कर लेना, आज पूजा को ऐसे चोदो कि उसे भी मज़ा आ जाये।* मैंने कहा, *हाँ आँटी! आज पूजा को मैं ऐसे ही चोदूँगा।*

उसके बाद आँटी बोली कि, *बीयर तो तुम पीते ही हो... है ना?,* और एक ग्लास में बीयर निकाल कर मेरी तेरफ़ बढ़ा दिया। मैं चुपचाप उसे पीने लगा। मैंने उनका ग्लास खाली देखा तो मैंने कहा, *आँटी आप भी पीयो ना,* तो आँटी कहने लगी कि, *ठीक है एक पैग और पी लेती हूँ... वैसे मैं व्हिस्की के चार पैग तो पी चुकी हूँ और नशा भी हो रहा है।*

उसके बाद हम दोनो लोग पीने लगे। तभी मैंने दरवाज़े के पास देखा कि पूजा वहाँ खड़ी है और मुझे बहुत ध्यान से देख रही है। मुझ पर बीयर का हल्का सा नशा हो

गया था। मैं वहाँ से उठा और पूजा के पास गया और उसे दीवाली की बधाई बोल कर उसके होठों पर किस कर लिया। वोह कुछ नहीं बोली। मैंने कहा की, *कम से कम पूजा तुम मुझे दीवाली की बधाई ही दे दो जैसे मैंने तुम्हें दी है,* तो वोह शरमा गयी और वहाँ से जाने लगी। तभी ऊषा आँटी ने उसे रोक और कहा, *पूजा बेटा! साहिल को दीवाली की बधाई दे दो, जैसे वोह कह रहा है।* तब पूजा ने कहा कि *मम्मी मुझे आपके सामने शरम आती है... मैं किस नहीं करूँगी।* तो ऊषा आँटी ने कहा, *बेटा मुझसे कैसी शरम? मैं तो तुम्हारी माँ हूँ और हम दोनों को एक दोस्त की तरह रहना चाहिए।* ये सुनकर पूजा थोड़ी सी मेरी तेरफ़ बढ़ी और बोली, *यहाँ नहीं। अंदर के रूम में चलो, यहाँ कोई आ सकता है।* ऊषा आँटी ने भी कहा, *ठीक है तुम लोग अंदर चले जाओ, मैं अभी थोड़ी देर में आती हूँ।*

उसके बाद पूजा मुझे अंदर के रूम में ले गयी। पूजा ने उस समय सिर्फ़ स्कर्ट और एक हल्के रंग की शर्ट पहन रखी थी। उसकी स्कर्ट थोड़ी छोटी थी जिससे उसकी गोरी–गोरी टाँगें दिख रही थी। मैंने पूजा को पकड़ कर उसे अपनी बाँहों में ले लिया और उसके चेहरे को अपने हाथों में लेकर उसे किस करने लगा। मैं उसके होठों को चूसता रहा और वो भी मेरा साथ दे रही थी। फिर मैं धीरे से अपने हाथ से उसकी शर्ट के बटन खोल कर उसकी एक चूंची अपने हाथ से दबाने लगा। जब मैं उसकी चूंची को दबा रहा था तो उसका चेहरा बहुत ही उत्तेजित लग रहा था। उसके बाद मैंने उसकी शर्ट खोल दी। अब उसकी दोनों चूचियाँ मेरे सामने थीं। मैं देख कर हैरान रह गया कि पूजा की चूचियाँ कितनी अच्छी हैं। मैं यही सोचने लगा कि आज तक ये मेरे सामने थी और मैं इसे छू भी नहीं पा रहा था।

उसके बाद मैंने पूजा को उसी तरह से बेड पेर लिटा दिया और मैं उसकी बगल में लेट कर उसकी एक चूंची को चूसने लग और दूसरी चूंची को अपने एक हाथ से दबाने लग। वो बहुत ज्यादा उत्तेजित हो चुकी थी और मेरी पीठ पर हाथ फेरने लगी थी। धीरे–धीरे मैंने उसकी स्कर्ट भी खोल दी। अब पूजा सिर्फ़ पैंटी में थी। मैं पैंटी के ऊपर से ही उसकी चूत को सहलाने लग। वो उत्तेजित होकर मुझसे लिपट गयी और मैं उसके होठों को जोर से चूसने लग गया, और फिर मैंने उसके पैंटी भी खोल दी। उसके चूत क्लीन शेव्ड थी। उसकी क्लीन शेव्ड चूत देखकर तो मेरा लंड रॉड के तरह टाईट हो गया। मैं उसकी चूत को धीरे–धीरे सहलाता रहा और फिर उसकी चूत पर अपना मुँह लगाकर उसकी चूत को चूसने लगा। मैं उसकी चूत को चूसता जा रहा

था और वो सिसक रही थी, *जोर से... आआआआआहहहहहह और जोर से चूसो मेरे साहिल... और जोर से।* तभी मेरा ध्यान दरवाज़े के तरफ़ गया तो मैंने देखा कि वहाँ सिर्फ अपने मैरून रंग के हाई–हील सैंडल पहने बिल्कुल नंगी, ऊषा आँटी दरवाजे के सहारे खड़ी होकर सब कुछ देख रही है और अपने हाथों से अपनी चूत में अँगुली कर रही है। फिर वो नशे में लड़खड़ाती– सी बेड के पास आ गयी और गाँड पर हाथ फेरने लगी और मेरे लंड को पकड़ कर हिलाने लगी।
पूजा उन्हें देख कर चौंक गयी और बोली, *मम्मी मुझे आपके समने शरम आ रही है... मैं आपके सामने कुछ नहीं करूँगी।* तब आँटी मेरे लंड पर से अपना हाथ हटाकर पूजा की तरफ़ चली गयी और उसके होठों को चूसने लगी। पहले तो पूजा कुछ नहीं बोली। फिर वो भी अपने मम्मी का साथ देने लगी। मैं पूजा की चूत को चूस रहा था। तभी पूजा ने मेरे चेहरे को अपनी चूत के पास जोर से सटा दिया और कहने लगी, *साहिल आज पूरा चूस लो मेरी चूत को... पूरा निचोड़ लो,* और मैं उसकी चूत को चूसता रहा। फिर ऊषा आँटी ने कहा कि *अब तुम पूजा को चोदो।*

मैंने अपना लंड अपने हाथ में लेकर पूजा की चूत के छेद पर जैसे ही रखा, पूजा डर गयी और कहने लगी *धीरे–धीरे करना... नहीं तो बहुत दर्द होगा।* मैंने कहा, *ठीक है,* और मैंने धीरे से एक धक्का लगाया। मेरा आधा लंड पूजा की चूत में घुस चुका था और वो जोर से चिल्लायी *ईईईईईईईईईईई आआआआहहहह ऊऊऊऊऊऊहहहहह... बस करो... अब नहीं आआआआआआआहहहहहहह ओहह ओहहह मैं मर जाऊँगी... बस करो।* तभी ऊषा आँटी मेरे पास आयी और बोली, *आज अपना पूरा लंड पूजा की चूत में डाल दो... मैं देखना चाहती हूँ कि पूजा कि चूत में जब तुम्हारा लंड जाता है तो उसे कैसा लगता है।* मैंने तुरंत ही अपना पूरा लंड पूजा की चूत में डाल दिया और पूजा चिल्ला उठी *ऊँऊँऊँऊँम्म्म माँआँआँआँआँ मैं मर गयी... बस छोड़ दो अब नहीं।*

लेकिन तब तक तो मैं जोश में आ चुका था और मैं जोर–जोर से झटके मारने लगा। तब तक पूजा को भी अच्छा लगने लगा था। थोड़ी देर बाद वो भी मेरा साथ देने लगी। जब मैं और पूजा चुदाई कर रहे थे तब ऊषा आँटी भी मेरे पास आकर मेरे होठों को चूसने लगी और अपनी चूत को पूजा के तरफ़ कर दिया और पूजा से कहा, *पूजा! मेरी चूत को चूसो।* पूजा उनकी चूत को चूसने लगी और तब तक पूजा छूट चुकी थी और हल्की पड़ गयी थी। उसको देख कर ऊषा आँटी उसकी चूत पे मुँह लगाकर अपनी

बेटी की चूत को चूसने लगी और चूसते हुए बोली कि *पूजा तेरी चूत तो बहुत टेस्टी है, मैं तेरी चूत रोज़ चूसा करूँगी।* थोड़ी देर बाद पूजा बाथरूम में चली गयी।

उसके बाद ऊषा आँटी मेरे लंड को अपने हाथ में लेकर अपनी जीभ से चाटने लगी। जब वो मेरे लंड को चाट रही थी तो मुझे बहुत अच्छा लग रहा था और थोड़ी देर बाद मेरा वीर्य उनके मुँह में छूट गया, और मैं हल्का पड़ गया। ऊषा आँटी ने मेरे लंड को अपनी जीभ से ही साफ़ किया और कहा कि *आज पूजा को अपने सामने चुदते हुए देख कर अच्छा लग रहा था और खुशी इस बात की है कि तुमने मेरी पूजा और मुझे दोनों को एक साथ चोदा।* तब मैंने ऊषा आँटी से कहा कि *अभी तो मैंने सिर्फ़ पूजा को चोदा है... अभी आपको कहाँ चोदा है?*

यह सुनकर ऊषा आँटी बोली, *चोदो लो आज जितना चोद सकते हो। आज की पूरी रात तुम्हारी है... तुम्हें जैसे-जैसे चोदना है, वैसे चोद लो।* ऊषा आँटी की आवाज़ नशे में थोड़ी सी बहक रही थी। मैंने ऊषा आँटी से कहा कि *मैंने सुना है कि गाँड मारने में बहुत मज़ा आता है... मैंने आज तक किसी की गाँड नहीं मारी है... मैं आपकी गाँड मारना चाहता हूँ... आप मुझसे अपनी गाँड मरवाओगी?* ऊषा आँटी ने कहा कि *तुमने आज मेरी बेटी को चोदा है... इसलिए तुम्हें मना नहीं करूँगी... आज मैं तुमसे अपनी गाँड भी मरवा लूँगी।*

फिर वो वहाँ से उठकर नशे में लड़खड़ाती हुई दूसरे कमरे में चली गयी, और जब वो लौट कर आयी तो उनके हाथ में एक क्रीम का पैकेट था। वो मेरी तरफ़ क्रीम बढ़ाते हुए बोली कि *सूखी गाँड मरवाने में दर्द होता है... इसलिए ये क्रीम मेरे गाँड के छेद पर लगा देना और उसके बाद तुम करना।* मैंने कहा, *ठीक है... लेकिन पहले मेरे लंड को एक बार आप चूस लो जिससे मेरा लंड और टाइट हो जाये।* ऊषा आँटी झुक कर अपने मुँह से मेरे लंड को चूसने लगी। वो बहुत अच्छी तरह से मेरे लंड को चूस रही थी। एक मिनट में ही मेरा लंड पूरा टाइट होकर खड़ा हो गया। उसके बाद ऊषा आँटी उल्टी होकर लेट गयी और अपने दोनों हाथों से अपनी गाँड के छेद को फ़ैलाने लगी। मैंने क्रीम निकाली और उनकी गाँड के छेद में भर दी। उसके बाद मैंने अपने लंड पर थोड़ा स थूक लगाया और गाँड के छेद पर अपना लंड रखकर हल्का सा धक्का दिया। मैंने जैसे ही धक्का दिया, वो चिल्ला उठी, *नाआआआआईईईईईईईईईई... बस करो... बहुत दर्द हो रहा है।*

लेकिन तब मैं कहाँ रुकने वाला था, और मैंने एक धक्का और लगाया और मेरे लंड का ३/४ भाग उनकी गाँड के अंदर चला गया और वो जोर से चिलायी, *आआआआआहहहहह मैं मर जाऊँगी।* तभी मैंने पूरे जोर से झटका मारा और मेरा पूरा लंड उनकी गाँड में घुस गया। थोड़ी देर तक तो वो दर्द से चिल्लती रही लेकिन बाद में कहने लगी, *बहुत अच्छा लग रहा है... मुझे नहीं पता था कि इसमें भी इतना मज़ा आता है... अब तुम रोज मेरी एक बार गाँड मारा करो।* तब तक पूजा भी बाथरूम से आ चुकी थी और ये सब वो देख रही थी कि मैं उसकी मम्मी की गाँड मार रहा हूँ। वो हमारे पास आ गयी। ऊषा आँटी ने उसको अपने पास बुलाया और उसे अपने आगे लेटने के लिए बोली। पूजा लेट गयी और ऊषा आँटी पूजा की चूत चाटने लगी। मैं उनकी गाँड मार रहा था और मेरा लंड तेजी से उनकी गाँड में अंदर–बाहर हो रहा था। पूजा की चूत चूसते–चूसते ऊषा आँटी बीच में चिल्ला उठी, *ननाआआआआआहहहहह ऊईईईईईईईईई धीरे करो... दर्द हो रहा है।* लेकिन मैं तो अपने पूरे जोश में उनकी गाँड में अपना लंड अंदर–बाहर कर रहा था। उसके बाद मैंने ऊषा आँटी से कहा कि *पूजा से कहो कि मेरे लंड को वो चूसे।* ये सुनते ही पूजा वहाँ से उठकर मेरी तरफ़ आ गयी और मैंने अपना लंड ऊषा आँटी की गाँड से निकाल लिया और मैं लेट गया। पूजा मेरी बगल में आकर मेरे लंड को अपने हाथ में लेकर बोलने लगी, इतना बड़ा लंड कैसे मेरी चूत में घुस गया? और फिर वो मेरे लंड को चूसने लगी। पहले पूजा लंड को ठीक से नहीं चूस पा रही थी। तब ऊषा आँटी ने कहा, *अरे ऐसे नहीं चूसते हैं... मैं तुम्हें बताती हूँ कि कैसे लंड चूसते हैं।* फिर वो पूजा को वहाँ से हटाकर खुद आकर मेरे लंड को चूसने लगी।

पूजा उन्हें बहुत ध्यान से देख रही थी। फिर वो मेरी बगल में आयी तो मैं उसके होठों को चूसने लगा और वो वहाँ से उठकर मेरे लंड के पास आयी और मेरे लंड को चूसने लगी। इस बार वो मेरे लंड को बहुत अच्छे से चूस रही थी। दस मिनट के बाद मैं पूजा के मुँह में ही झड़ गया। वो जल्दी से उठकर बाथरूम में गयी और अपना मुँह धोने लगी। तब ऊषा आँटी ने अपनी जीभ से मेरे लंड को पूरा साफ़ किया और मैं हल्का होकर वहीं बेड पर लेटा रहा। उसके बाद पूजा भी मेरी एक तरफ़ आकर लेट गयी और दूसरी तरफ़ ऊषा आँटी लेट गयी। ऊषा आँटी कहने लगी कि *दीवाली की ये रात उसे हमेशा याद रहेगी।* पूजा ये सुनकर हँसने लगी तो मैंने अपने एक हाथ से जोर से उसकी चूंची को दबा दिया और वो मुझसे लिपट गयी। मैंने रात में पूजा को तीन बार चोदा और सुबह होते ही पीचे के ही दरवाज़े से मैं अपने घर चला गया।

।।।।।समाप्त।।।।।